दो माह में धरातल पर होंगे पांच ओडीओपी क्लस्टर

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊः ओडीओपी क्लस्टर योजना के तहत स्थानीय छोटे उद्यमियों और कारोबारियों को प्लेटफार्म उपलब्ध कराने की पहल के तहत अगले दो माह में पांच क्लस्टर को जमीन पर उतारने की तैयारी की जा रही है। अयोध्या में गुड़ उत्पादन, उन्नाव व बरेली में जरी-जरदोजी, बिजनौर में काष्ठ शिल्प और गाजियाबाद में टूल रूम व इंडस्ट्री से जुड़े उत्पादों को इन क्लस्टर के माध्यम से बेहतर बाजार मुहैया कराया जाएगा। एमएसएमई विभाग ओडीओपी योजना के तहत प्रदेश के 29 जिलों में क्लस्टर स्थापित कर रहा है, इनमें अब तक 11 शुरू हो चुके हैं।

अयोध्या में 9.93 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे क्लस्टर

● अयोध्या, उन्नाव, बरेली, बिजनौर और गाजियाबाद क्लस्टर को शुरू करने की तैयारी

में आटोमैटिक गुड़ प्रसंस्करण इकाई, आटोमेटिक क्रेन क्रशिंग प्लांट, पैकेजिंग यूनिट और स्टीम एंड पावर सेल्फ जेरनेशन इकाई जैसी सामान्य सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

वहीं, बरेली के जरी-जरदोजी क्लस्टर में कामन प्रोडक्शन सेंटर, डिजिटल डिजाइन बैंक एंड डिस्प्ले सेंटर के साथ ही प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं होंगी। उन्नाव में भी इन सभी सुविधाओं के साथ रा मैटेरियल बैंक भी बनाया जाएगा। बिजनौर के वुड क्राफ्ट क्लस्टर में अत्याधुनिक टूल रूम के साथ वुड सिसनिंग एंड कैमिकल ट्रीटमेंट प्लांट की भी सुविधा होगी। गाजियाबाद के क्लस्टर में आधुनिक टूल रूम, अनुसंधान एंव विकास प्रयोगशाला, मैटेरियल टेस्टिंग जैसी सामान्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

गाजियाबाद की परियोजना लागत 14.88 करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि बिजनौर की परियोजना लागत 9.96 करोड़, उन्नाव की 3.15 करोड़, बरेली की 8.49 करोड़ रुपये है।